हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 07 नवंबर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक वर्ष तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। उन्होंने vandemataram150.in पोर्टल भी जारी किया। इसमें लोग राष्ट्रीय गीत गाते हुए अपनी वीडियो डाल सकते है और प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। नई दिल्ली में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय गीत भारत माता के प्रति भक्ति और श्रद्धा है जो हमें इतिहास की याद दिलाता है, –

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम एक मंत्र, एक ऊर्जा, एक सपना और एक संकल्प है।

आज वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर हरियाणा और चंडीगढ़ में राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गान किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज अंबाला में आयोजित राज्य स्तरीय स्मरण उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने

कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत केवल एक गीत नहीं भारत की पहचान है। ये राष्ट्र गीत मर्यादा, अनुशासन और त्याग की भावना को जोड़ने वाला एक मंत्र है ।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए इस गीत को वर्ष 1950 में प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया।

श्री नायब सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रगीत आत्मबल का शंखनाद है।वंदे मातरम राष्ट्रगीत के मूल मंत्र ने गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारतवासियों की आत्मा को जगाने का काम किया और भारत के स्वराज आंदोलन को एक नई पहचान देने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा –

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत ने विभिन्नता में एकता की अवधारणा को जागृत किया था।इस गीत में हर जाति, हर धर्म, हर समुदाय और हर क्षेत्र के लोगों में एक जोश और शक्ति पैदा की थी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज सोनीपत में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी की SRM यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने युवा शक्ति से भारत को विकसित बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना को साकार करती देश की नई शिक्षा नीति से देश प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और तकनीकी ओर रोजगार परक शिक्षा ही विकास का आधार है।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति टी.आर.पुरन्धर, कुलाधिपति रवि पुचमुट्टी, और उप कुलपति प्रोफेसर परमजीत जायसवाल मौजूद रहे।